

संख्या 4226/11-2003-03(41)/03

प्रेषक,

आर०सी० लोहनी,
संयुक्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तराखण्ड

सिंचाई अनुभाग

देहरादून : दिनांक 29 दिसम्बर, 2009

विषय: अनुसूचित जनजाति उपयोजना के नहर निर्माण हेतु पुनर्विनियोग में धनाबंटन विषयक महोदय,

उपरोक्त विषयक क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जिला योजना 2009-10 के अन्तर्गत अनुदान संख्या-31 में अनुसूचित जनजाति उपयोजना में नहर निर्माण की योजना के लिए संलग्न पुनर्विनियोग प्रपत्र के अनुसार रू० 150.00 लाख (रू० एक करोड़ पचास लाख मात्र) चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 में निम्न विवरणानुसार आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क.स.	लेखाशीर्षक	जनपद का नाम	पूर्व में आबंटित धनराशि	पुनर्विनियोग से स्वीकृत धनराशि	कुल योग (धनराशि लाख रू० में)
1	4700-मुख्य सिंचाई	देहरादून	60.00	82.84	142.84
2	06-निर्माणाधीन नहरें	चमोली	4.00	12.68	16.68
3	796 जनजाति क्षेत्र उपयोजना	उत्तरकाशी	1.25	3.24	4.49
4	91-अनुसूचित जनजातियों के लिए नहरों का निर्माण	टिहरी	23.47	30.00	53.47
5	24-वृहत निर्माण कार्य	पौड़ी	0.00	0.00	0.00
6		हरिद्वार	1.20	2.43	3.63
7		रूद्रप्रयाग	0.00	0.00	0.00
8		अल्मोड़ा	0.00	0.00	0.00
9		बागेश्वर	0.00	0.00	0.00
10		चम्पावत	1.00	2.11	3.11
11		नैनीताल	0.00	0.00	0.00
12		पिथौरागढ़	2.00	3.28	5.28
13		ऊधमसिंहनगर	7.08	13.42	20.50
योग			100.00	150.00	250.00

1. सम्बन्धित धनराशि का व्यय केवल उसी योजना के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
2. उक्त व्यय में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 एवं शासन द्वारा मितव्यता के विषय में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।

3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपभोग दि० 31.03.2010 तक करना सुनिश्चित किया जायेगा ।
4. कार्य की तात्कालिकता को देखते हुये योजनाओं के लिए प्रतीक धनराशि राज्य सैक्टर की योजना में दी जा रही है तथा योजनाओं का वित्त पोषण नाबार्ड से कराये जाने के कारण अग्रेत्तर धनराशि योजना से नाबार्ड से स्वीकृत होने के उपरान्त दी जायेगी ।
5. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2009-10 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-31 के आयोजनागत मद में संलग्न वी०एम०-15 के स्तम्भ-5 में उल्लिखित लेखाशीर्षक के नामें डाला जायेगा तथा स्तम्भ-1 की बचतों से वहन किया जायेगा ।
यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या 753/XXVII-2/2009 दिनांक 22 दिसम्बर, 09 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

संलग्न: यथोक्त

भवदीय,

(आर० सी० लोहनी)
संयुक्त सचिव

संख्या 4226-2003-03(41)/03 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून ।
2. प्रमुख सचिव, मा० मुख्यमंत्री को उनके पत्र संख्या 362/प्र.स.मु.मं/2009 दिनांक 22.07.09 के क्रम में ।
3. निजी सचिव, मा० सिंचाई मंत्री जी को मंत्री जी के संज्ञानार्थ ।
4. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन ।
5. मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई विभाग, देहरादून ।
5. निदेशक, राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, सचिवालय ।
6. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड ।
7. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून ।
8. गार्ड फाईल ।

संलग्न: यथोक्त

आज्ञा से,

(एस०एस०टोलिया)
अनु सचिव

प्रश्न-दीर्घ-15

अनुदान संख्या-31

नियन्त्रण अधिकारी मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड।

प्रशासनिक विभाग: सिंचाई विभाग उत्तराखण्ड शासन।

वित्तीय वर्ष 2009-10

(धनराशि हजार रुपये में)

बजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक का विवरण	मानक मदवार अध्यावधिक व्यय	वित्तीय वर्ष के शेष अवधि में अनुमानित व्यय	अवशेष सरप्लस धनराशि	लेखाशीर्षक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है।	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद अवशेष धनराशि (स्तम्भ-1 में)	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
4700-मुख्य सिंचाई 06-निर्माणधीन नहरें 800-अन्य व्यय 91-जनजाति क्षेत्रों के लिए लघुडाल नहरों का निर्माण/पुनरोद्धार 24-बृहत् निर्माण कार्य	15000	-	15000	10000	15000	25000	वित्तीय वर्ष 2009-10 में अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत स्तम्भ-1 में उल्लिखित धनराशि बचते सम्भावित होने के कारण नहर निर्माण योजना के लिए रु0 150.00 लाख का पुनर्विनियोग प्रस्ताव किया जा रहा है।
योग	15000	-	15000	10000	15000	25000	

प्रमाणित किया जाता है कि उक्त पुनर्विनियोग से बजट में अनुश्रुत के प्रस्तर 150-156 में उल्लिखित प्राविधानों एवं योजनाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

(एस0एस0टोलिया)
अनु सचिव

2.

उत्तराखण्ड शासन
वित्त अनुभाग-2

पत्रांक १५३४- (क)/XXVII(2)/2009
देहरादून: दिनांक 22 दिसम्बर 2009

पुनर्विनियोग स्वीकृत

me

(एम०सी० जोशी)
अपर सचिव

महालेखाकार उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सं० ५१२६ / ११-२००३-०३(११) / २००३ दिनांक २९-१२-२९

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

1. वित्त अनुभाग-2 ।
2. समस्त जिलाधिकारी / क्षेत्राधिकारी, उत्तराखण्ड ।
3. मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड, देहरादून ।

(एस0एस0टोलिया)
अनु सचिव।